



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 44]

No. 44]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 9, 1981/माघ 20, 1902

NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 9, 1981/MAGHA 20, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1981

सीमा-शुल्क

सां० कां० नि० 52(अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, नीचे मारणी में विनिर्दिष्ट माल को (जिसे इसमें इसके पश्चात् माल कहा गया है) भारत सरकार के भूत-पूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना सं० कां० आ० 163 (अ)/आर एल आई/9/10(2)/76-तारीख 3 मार्च, 1976 द्वारा नियुक्त सौ प्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रमों के लिए अनुमोदन बोर्ड द्वारा अनुमोदित सौ प्रतिशत निर्यातोन्मुख उप-क्रमों द्वारा जब उसका भारत में निर्यात किया जाए, सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पृथ्वी अनुसूची के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण सीमा-शुल्क से और पश्चात्-वर्ती वर्णित अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क से, यदि कोई हो, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, छूट देती है, अर्थात् :—

(1) आयातकर्ता को उक्त प्रयोजन के लिए माल के आयात के लिए आवश्यक अनुज्ञप्ति मंजूर की गई है ;

(2) आयातकर्ता विनिर्माण संक्रियाएं सीमा-शुल्क बांड में और ऐसी अन्य शर्तों के अधीन रहते हुए जो सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर इस निमित्त विनिर्दिष्ट करे, करता है ;

(3) आयातकर्ता माल से विनिर्मित वस्तुओं का 100 प्रतिशत या ऐसा अन्य प्रतिशत जो उक्त बोर्ड नियत करे, ऐसी अनुबन्धित अवधि के लिए या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के लिए जो उक्त बोर्ड विनिर्दिष्ट करे, भारत के बाहर निर्यात करता है ;

(4) आयातकर्ता भारत में विक्रय किये जाने के लिए इस प्रकार विनिर्मित वस्तुओं के पांच प्रतिशत की या ऐसे अन्य प्रतिशत की जो उक्त बोर्ड नियत करे, निकासी पर यदि ऐसी छूट न होती तो ऐसी वस्तुओं के जिनका अस्वीकृत प्रकृति की होने पर, निर्यात नहीं किया है, विनिर्माण में प्रयुक्त आयातित कच्ची सामग्री या संघटकों या दोनों पर संदेय शुल्क के बराबर की रकम का संचाय करेगा ;

(5) आयातकर्ता, शर्त (3) में निर्दिष्ट अवधि की समाप्ति पर, निम्नलिखित शुल्कों का संवाय करेगा, अर्थात् :—

(क) पूंजीगत माल पर अवशयित मूल्य पर फिस्तु आयात के समय प्रचलित दरों पर सीमा-शुल्क ; और

(ख) अप्रयुक्त आयातित कच्ची सामग्री या संघटकों पर आयात के समय के मूल्य पर और निकासी के समय पर प्रकृत दरों पर सीमा-शुल्क ।

- (6) आयातकर्ता ऐसे प्ररूप में और ऐसी रकम के लिए और ऐसे प्राधिकारी के पास जो सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर विहित करे, बंधपत्र निष्पादित करता है, जिसमें वह इस अधिसूचना में अनुबंधित निर्यात बाध्यताओं और शर्तों को पूरा करने के लिए और सांग किए जाने पर, ऐसे माल पर जो सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर के समाधान प्रद रूप में निर्यात के लिए वस्तुओं के विनिर्माण में प्रयुक्त किया गया साविन नहीं होता है, उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर की रकम का संदाय करने के लिए स्वयं को आबद्ध करता है ।

सारणी

क्रम सं०	माल का वर्णन
1	2
1.	पूँजीगत माल
2.	कच्ची सामग्री
3.	संघटक

[सं० 13/फा० सं० 370/30/80-सी० शु० I]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 9th February, 1981

CUSTOMS

G.S.R. 52(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods specified in the Table below (hereinafter referred to as the goods), when imported into India for the purpose of manufacture of articles for export out of India by hundred percent export-oriented undertakings approval by the Board of Approval for Hundred Percent Export-Oriented Undertakings appointed by the notification of the Government of India in the former Ministry of Industry and Civil-Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 163(E)/RLI/U/10(2)/76 dated the 3rd March, 1976, from the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and the additional duty, if any, leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act, subject to the following conditions, namely :—

- (1) the importer has been granted necessary licence for the import of the goods for the said purpose ;
- (2) the importer carries out the manufacturing operations in customs bond and subject to such other conditions as may be specified by the Assistant Collector of Customs in this behalf ;
- (3) the importer exports out of India hundred percent or such other percentage, as may be fixed by the said Board, of articles manufactured wholly or partly from the goods for the period stipulated by the Board or such extended period as may be specified by the said Board ;
- (4) on the clearance of five per cent of articles so manufactured or such other percentage as may be fixed by the said Board for being sold in India, the importer shall pay a sum equivalent to the duty payable, but for this exemption, on imported raw materials or components or both used in the manufacture of such articles which have not been exported being in the nature of rejects ;

- (5) on the expiry of the period referred to in condition (3), the importer shall pay the following duties namely :—

- (a) customs duty on capital goods on depreciated value but at rates prevalent at the time of import ; and
 - (b) customs duty on unused imported raw materials or components on the value at the time of import and at rates in force at the time of clearance.
- (6) the importer executes a bond in such form and for such sum and with such authority as may be prescribed by the Assistant Collector of Customs binding himself to fulfil the export obligations and conditions stipulated in this notification and to pay, on demand, an amount equal to the duty leviable on the goods as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been used in the manufacture of articles for export.

TABLE

Sl. No.	Description of Goods
1	2
1.	Capital goods
2.	Raw materials.
3.	Components.

[No. 13/F. No. 370/30/80-Cus. I]

सा० का० नि० 53 (ब) .—केंद्रीय सरकार, वित्त अधिनियम 1980 (1980 का 13) की धारा 4 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 41-सीमा-शुल्क, तारीख 25 मार्च, 1980 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में उपाबद्ध अनुसूची में क्रम सं० 271 और उससे सम्बंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

“272. सं० 13-सीमा-शुल्क, तारीख 9 फरवरी, 1981” ।

[सं० 14/फा० सं० 370/30/80-सी० शु०—I]

के० चन्द्रमौली, अव्वर मन्त्रि

G.S.R. 53(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) read with sub-section (4) of section 4 of the Finance Act, 1980 (13 of 1980), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 41-Customs, dated the 25th March, 1980, namely :—

In the Schedule annexed to the said notification after Serial No. 271 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely :—

“272. No. 13-Customs. dated the 9th February, 1981”.

[No. 14/F. No. 370/30/80-Cus. I]

K. CHANDRAMOULI, Under Secy.